जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्ष: 20 संख्या: 271 प्रभात जालोर, बुधवार 7 जनवरी, 2026 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

सोनिया गांधी भी ठंड व प्रदूषण की शिकार

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 जनवरी। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को सोमवार रात 10 बजे अस्पताल में भर्ती कराया गया। दिल्ली में प्रदूषण और ठंड बढ़ने से उनकी ब्रॉंकियल अस्थमा की समस्या बढ़ गई थी। यह जानकारी सर गंगाराम अस्पताल के चेयरमैन डॉ. अजय स्वरूप ने दी। उन्होंने बताया कि उनकी हालत पूरी तरह स्थिर है।

उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी को सांस लेने में परेशानी हो रही थी। डॉक्टरों ने जाँच के बाद पाया कि ठंड और प्रदूषण के संयुक्त असर से उनका ब्रॉंकियल अस्थमा थोड़ा बढ़ा हुआ है। "एहतियात के तौर पर उन्हें आगे की निगरानी और इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। फिलहाल उनकी हालत बिल्कुल स्थिर है।"

- **सोनिया गांधी का पुराना अस्थमा ठंड व प्रदूषण से बढ़ गया और वे गंगाराम अस्पताल में भर्ती हुईं।**
- **कम से कम दो दिन अस्पताल में रहेंगी, तदोपरान्त स्वास्थ्य में सुधार होने पर डिस्चार्ज होंगी।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक जनवरी से ही अशोक गहलोत मुम्बई में हैं

ऐसा कहा जाता है, गहलोत के फायनैंसर और फायनैंस मुम्बई में ही हैं, तो क्या गहलोत कुछ बड़ा प्लान कर रहे हैं, जिसके लिए मुम्बई में रहना जरुरी हो गया है

-रेणु मित्तल-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 जनवरी। सन् 2026 में नई दिल्ली से लेकर जयपुर तक सर्वाधिक चर्चा का विषय यह है कि क्या सचिन पायलट राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के अध्यक्ष बनाये जाएंगे और क्या उन्हें राजस्थान का अगला मुख्यमंत्री चेहरा बनाया जाएगा।

इस मुद्दे पर बहस तेज होती जा रही है।

पार्टी में इस बात को लेकर अलग-अलग राय हैं कि सचिन पायलट को एआईसीसी में और बड़ी भूमिका दी जाए या फिर उन्हें वापस राजस्थान भेजा जाए।

दिलचस्प बात यह है कि पूरा मामला के. सी. वेणुगोपाल पर टिका हुआ है, जो सचिन पायलट को ब्लॉक कर रहे हैं और मौजूदा पीसीसी अध्यक्ष डोटासरा को आगे बढ़ा रहे हैं।

डोटासरा निजी तौर पर दोस्तों से कह रहे हैं कि वे, अगर और ज्यादा नहीं तो, कम से कम 2027 तक तो इस पद पर बने रहेंगे और कहीं नहीं जा रहे हैं।

उनका यह भरोसा वेणुगोपाल और रंधावा के दम पर है। रंधावा कट्टर जाट सिख नेता माने जाते हैं और जाट नेता को पीसीसी अध्यक्ष बनाए रखने में उन्हें कोई दिक्कत नहीं है।

अगर प्रदेश प्रभारी जाति के आधार पर फैसले लेते हैं, तो यह इस बात पर भयानक टिप्पणी है कि राजनीतिक दल कैसे चलाए जाते हैं और फैसले कैसे लिए जाते हैं।

अगले विधानसभा चुनाव दिसंबर

- **एक कयास तो यह है कि गहलोत अप्रेल में होने वाले राज्यसभा चुनाव में, राज्यसभा का सदस्य बनने को लालायित हैं और इस प्लान के क्रियान्वयन के लिए साधन व धन मुम्बई में ही संग्रहित किये जा सकते हैं।**
- **वेणुगोपाल, राहुल गांधी को यह तर्क दे रहे हैं कि गहलोत को दिल्ली लाना जरुरी है, जिससे अन्य नेताओं को "फ्री-हैण्ड" मिले राजस्थान में। राहुल अधिकतर वेणुगोपाल की बात मान लेते हैं, क्योंकि राहुल किसी भी समस्या की "डिटेल्स" में जाने में ज्यादा रूचि नहीं रखते हैं।**
- **इस घटनाक्रम से डोटासरा खुश हैं और अपने मित्रों को कहते सुने गए हैं कि वे अभी नहीं हटाये जा सकते और 2027 तक तो प्रदेशाध्यक्ष रहेंगे ही।**
- **इससे सचिन पायलट की स्थिति अनिश्चित सी हो जाती है। क्योंकि, राजस्थान में विधानसभा के चुनाव 2028 के दिसंबर में होंगे तथा किसी नए प्रदेशाध्यक्ष को, पार्टी को चुनाव के लिए मुस्तैद बनाने के लिए दो-ढाई साल तो चाहिए ही।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुरेश कलमाड़ी का निधन

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 जनवरी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुरेश कलमाड़ी का मंगलवार को पुणे में लंबी बीमारी के बाद 81 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष भी रहे। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा और बहू, दो विवाहित बेटियां और दामाद, तथा पोते-पोतियां हैं।

कलमाड़ी केन्द्रीय रेल राज्य मंत्री रहे और एक दशक से अधिक समय तक भारतीय खेल प्रशासन में प्रमुख भूमिका निभाते रहे। पुणे से जुड़े एक अनुभवी राजनेता के रूप में उन्होंने कई बार संसद में शहर का प्रतिनिधित्व किया और अपने लंबे राजनीतिक जीवन में कई अहम पद संभाले।

- **रेल राज्य मंत्री रहे कलमाड़ी कुशल खेल प्रशासक माने जाते थे।**

सुरेश कलमाड़ी का जन्म 1 मई 1944 को तमिलनाडु के मद्रास (अब चेन्नई) में हुआ था। उनका परिवार मूल रूप से कर्नाटक के मंगलुरु का था, जहां उनके माता-पिता उनके जन्म से पहले रहते थे।

उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर संसद में कई कार्यकाल पूरे किए। 1982 से 1996 के बीच वे तीन बार राज्यसभा सदस्य रहे और बाद में लोकसभा में भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चिनाब वॉटर सिस्टम पर भारत के बांध लगभग पूरे हुए

इन बांधों से भारत बिजली जनरेट तो करेगा ही, साथ ही पानी के बहाव पर नियंत्रण भी स्थापित कर लेगा

-श्रीनंद झा-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 जनवरी। पाकिस्तान की जल जीवनरेखा को रोकने की भारत की रणनीति अब ठोस रूप ले रही है। केन्द्र सरकार ने चिनाब नदी प्रणाली पर चार बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने के निर्देश जारी किए हैं। पकुल और किरी परियोजनाओं को दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। क्वार परियोजना को मार्च 2028 तक और रणनीतिक रूप से संवेदनशील रैटल बांध को भी उसी वर्ष तक पूरा करने का लक्ष्य है।

ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने हाल ही में दो दिन के दौरे के अन्तर्गत इन बांध स्थलों पर प्रगति की समीक्षा की।

सिंधु बेसिन का लगभग तीन-चौथाई पानी पश्चिमी नदियों से आता है, जो भारत से पाकिस्तान की ओर बहती हैं। पाकिस्तान की लगभग 90 प्रतिशत खेती इसी बेसिन पर निर्भर है।

ज्ञातव्य है कि पहलगाम हमलों के बाद भारत ने सिंधु जल संधि के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को वापस ले लिया है और पानी को नियंत्रित करने के लिए बांध और हाइड्रोपावर परियोजनाओं के निर्माण की योजनाओं को तेज कर दिया है। इनमें सबसे अहम चिनाब बेसिन की पकुल डुल जलविद्युत परियोजना है, जिसे इसी वर्ष दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके शुरू होने के बाद, भारत न केवल बिजली उत्पादन कर सकेगा, बल्कि पानी के बहाव को भी नियंत्रित कर पाएगा। 135 मीटर ऊंचा किरु बांध भी दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है, जबकि क्वार परियोजना मार्च 2028 तक पूरी होने की संभावना है।

चिनाब पर 850 मेगावाट की रैटल परियोजना को पाकिस्तान विवादित मानता रहा है और वह कई वर्षों से इसका विरोध कर रहा है। हालिया दौरे में ऊर्जा मंत्री ने बांध के कंक्रीट कार्यों की आधारशिला रखी। इस परियोजना के लिए चिनाब नदी को सुरंगों के जरिये मोड़ा गया है।

इस बीच भारत चिनाब पर दुलहस्ती स्टेज-2 परियोजना पर भी आगे बढ़ रहा है। इस परियोजना को पिछले दिसंबर में पर्यावरण मंत्रालय के पैनल से मंजूरी मिली थी। पाकिस्तान ने

- **जैसा कि विदित ही है, इण्डस बेसिन का तीन चौथाई पानी भारत से पाकिस्तान जाता है तथा पाकिस्तान का कृषि उत्पादन का नब्बे प्रतिशत हिस्सा, इस इण्डस बेसिन के पानी पर निर्भर है।**
- **भारत के दो बांध, पकुल व किरी, इस वर्ष दिसंबर तक पूरे हो जाएंगे। दो अन्य बांध क्वार प्रोजैक्ट व रैटल प्रोजैक्ट मार्च 2028 तक पूरे हो जाएंगे।**
- **जैसा कि विदित ही है, पहलगाम में पाकिस्तान से आए आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों पर की गई गोलीबारी के बाद, भारत ने, भारत-पाक के बीच इण्डस वॉटर ट्रिटी को मानने से इनकार कर दिया था।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)